"राजस्थान के प्रमुख खनिज"

→ तांबा - टोंक (राजमहल) (गाबरी)
अजमेर (सरवाड़) राज. मे 100% उत्पादन
भीलवाड़ा (कमलपुरा)

→ जास्पर -

→ वोलेस्टोनाइट - खिरला, बेलका (सिरोही)
उदयपुर, डूंगरपुर व अजमेर

→ पन्ना (एमरल्ड) - देवगढ़, आमेट (राजसमंद)
कालागुमान (उदयपुर)
बुबानी, राजगढ़ (अजमेर)

लौह अयस्क - जयपुर (मोरीजा - बानोला)
नीमला राइसेला व लालसोट (दौसा)
नाथरा की पाल, थूर हुण्डेर (उदयपुर)
डाबला सिंघाना (झुन्झुनु)
पुर बनेड़ा (भीलवाड़ा)

→ मैंगनीज - बांसवाड़ा (कालाखुंआ, लीलवाना)
तामेसरा, देबारी (उदयपुर)

→ सीसा जस्ता - उदयपुर
→ जावर, देबारी, मोचिया मगरा, बरोड़ मगरा (उदयपुर)
→ रामपुरा आगुचा (भीलवाड़ा)
→ सिंदेसर व राजपुरा आगुचा - राजसमंद
→ चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर)
→ सावर बामनी, कायड़ - घुघरा (अजमेर)
→ बसंतगढ़, डेरी (सिरोही)

https://rajasthanclasses.in/

तांबा - झुंझुनूं - खेतड़ी, कोलिहा, सिंघाना, चांदमारी
अलवर - खो दरीबा
सिरोही - बसंतगढ़
उदयपुर - अंजनी, बेदावल, धारी मानपुरा।

टंगस्टन - नागौर - रेवत पहाड़ी (डेगाना)
सिरोही - बाल्दा, रेवदर, उडवारिया, आबू

सोना - भूकिया, आनन्दपुरा, जगपुरा - (बांसवाड़ा)

एस्बेस्टॉस - उदयपुर ✓	प्राकृतिक गैस - जैसलमेर, बाड़मेर (रागेश्वरी)
फेल्सपार - अजमेर ✓	खनिज तेल - बाड़मेर, जैसलमेर ✓
फ्लोरस्पार - डूंगरपुर ✓	संगमरमर - राजसमंद ✓
चीनी मिट्टी - सीकर ✓	मोरवड़, राजनगर - लहरदार संगमरमर
वुल्फ्रेमाइट - भीलवाड़ा ✓	मकराना (नागौर) - सफेद रंग ✓
जिप्सम - बीकानेर, बाड़मेर	ऋषभदेव (उदयपुर) - हरा रंग ✓
	आंधी (जयपुर) सफेद ✓
	भैंसलाना (अलवर) काला ✓

रॉक फास्फेट - उदयपुर - झामरकोटड़ा, डाकन कोटड़ा ✓
जैसलमेर - बिरमानिया ✓
बांसवाड़ा - सलोपत

पाइराइट्स - सलादीपुर (सीकर) ✓
डोलोमाइट - जयपुर, सीकर, जोधपुर ✓
घीया पत्थर - उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर
ग्रेनाइट - अजमेर, पाली, टोंक ✓
लिग्नाइट - गोठ मांगलोद (जायल) नागौर ✓
बीकानेर, जैसलमेर

https://rajasthanclasses.in/

(1) भाखड़ा नांगल →	(सतलज)	पंजाब हरियाणा राज.	15.2%
(2) व्यास परियोजना -	व्यास	पंजाब हरियाणा राज.	20%
(3) चम्बल परियोजना	चम्बल	मध्यप्रदेश / राज.	50%
(4) राहुघाट परि.	चम्बल	मध्यप्रदेश / राज.	50%
(5) टिहरी परियोजना	भागीरथी	उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश राज.	7.5%
(6) माही परियोजना -	माही -	गुजरात / राजस्थान	60 : 40%

राज्य की प्रथम सौर ऊर्जा नीति : अप्रैल 2011

नवीनतम सौर ऊर्जा नीति : 2019

परमाणु शक्ति प्लांट RAPS रावतभाटा चित्तौड़गढ़

1963-1965 कनाडा के सहयोग से

नरौरा परमाणु शक्ति प्लांट : बुलंदशहर (उत्तरप्रदेश)

नापला (बांसवाड़ा) में प्रस्तावित 700 मेगावाट का परमाणु प्लांट

चीनी उद्योग की स्थापना

✓ द मेवाड़ शुगर मिल्स लि. भोपालसागर (चित्तौड़गढ़) (1932) निजी
राज्य की पहली चीनी मिल ✓

✓ गंगानगर शुगर मिल्स लि. कमीनपुरा - (1937) (सार्वजनिक)

✓ केशोरायपाटन - सहकारी शुगर मिल्स (1965) सहकारी
(बूंदी)

✓ प्रथम सूती मिल - द कृष्णा मिल्स लि. ब्यावर (अजमेर) - 1889

✓ राजस्थान का प्रथम सीमेंट कारखाना A.C.C : 1913 लाखेरी बूंदी

✓ सबसे बड़ा सीमेंट कारखाना - जे के सीमेंट - निम्बाहेड़ा चित्तौड़.

✓ सफेद सीमेंट के कारखाने : गोटन, खारिया खंगार, मांगरोल (चित्तौड़)

✓ दिल्ली मुम्बई औद्योगिक कॉरीडोर की कुल लम्बाई - 1483 Km
जो राजस्थान में 39% भाग राज. से गुजरता है

https://rajasthanclasses.in/

1. सिमको वैगन - भरतपुर
2. राजस्थान टेलीकॉम उद्योग - भिवाड़ी
3. इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड - कोटा
4. राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन - जयपुर
5. मान इण्डस्ट्रियल कॉरपोरेशन - जयपुर

✓ कागज बनाने का कारखाना - सर्वप्रथम - सांगानेर
✓ KNHPI : कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान सांगानेर जयपुर में

→ सेमकोर ग्लास फैक्ट्री - कोटा T.V. ग्लास बनाए जाते हैं
→ सेंट गोबेन नामक बहुराष्ट्रीय कांच निर्माण फैक्ट्री स्थापित की गई।
→ हाइटेक प्रिसीजन ग्लास फैक्ट्री धौलपुर :- 18 मार्च 1963 को स्थापित
यह सार्वजनिक क्षेत्र की फैक्ट्री जहाँ शराब की बोतलें बनाई जाती हैं

→ नीमराणा (अलवर) व सायाना (अजमेर) में राजस्थान सरकार द्वारा उत्पाद एवं सिरेमिक हब बनाए जा रहे हैं

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड - देबारी उदयपुर - 1966
हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड खेतड़ी - झुन्झुनु - 1967
हिन्दुस्तान मशीन टूल्स चान्दियावास (अजमेर) 1967
सांभर साल्ट लिमिटेड - जयपुर - 1964
राजस्थान वित्त निगम RFC जयपुर - 17 जनवरी 1955
RIICO - जयपुर - जनवरी - 1980 : 1969
RAJSICO जयपुर - 1961

1909 का भारत परिषद अधिनियम - (मार्ले मिंटो सुधार)
→ मिंटो को साम्प्रदायिक निर्वाचन के जनक कहा जाता है
→ मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक प्रतिनिधित्व
→ इंग्लैण्ड में भारत के राज्य सचिव लॉर्ड मार्ले
लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय)

1919 - मोंटेस्क्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम - (आरक्षित व हस्तान्तरित)

1935 - 321 अनुच्छेद, 10 अनुसूचियाँ थी
द्वैध शासन की स्थापना
प्रान्तों में द्वैध शासन प्रणाली का जनक - लियोनस कर्टिस

https://rajasthanclasses.in/

* राजस्थान की मिट्टियां * ✓

① राजस्थान में अधिकांश मिट्टी - भूरी बलुई मिट्टी ✓
② राज्य की मिट्टियां मूल रूप से निर्वाचित एवं अवशिष्ट है -

③ मरु प्रसार रोक योजना - 10 मरुस्थलीय जिलो में चलाई जा रही
④ मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला - 1958 (जोधपुर) पहला ✓
⑤ मरुस्थल वृक्षारोपण एवं अनुसंधान केंद्र - जोधपुर 1952

⑥ केन्द्रीय भू-संरक्षण बोर्ड जयपुर व सीकर में स्थित है।
⑦ बंजर भूमि विकास कार्यक्रम - 14 जिलो में चलाया जा रहा।

राजस्थान की मिट्टियां

① रेतीली बलुई मिट्टी - जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, चुरु
एरिडिसॉल्स जोधपुर, जालोर, पाली, नागौर, हनुमानगढ़, गंगानगर
(जोधपुर व बीकानेर सम्भाग)

② भूरी रेतीली मिट्टी - पू. बाड़मेर, पू. जालोर, पू. जोधपुर, सिरोही
पाली, नागौर, सीकर, झुन्झुनु ✓

(एन्टीसोल्स) — बनास अपवाह क्षेत्र (यहां भूरी मिट्टी भी)
③ लाल-पीली मिट्टी → सवाई माधोपुर, करौली, भीलवाड़ा, टोंक, अजमेर
④ जलोढ़ मिट्टी (कच्छारी) - स. माधोपुर, टोंक, धौलपुर, दौसा, भरतपुर, जयपुर
अल्फीसॉल्स (नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी)

⑤ लाल लोमी (दोमट मिट्टी) - डूंगरपुर व उदयपुर

⑥ मिश्रित लाल काली - उदयपुर, राजसमंद भीलवाड़ा
चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा। (दक्षिणी)

⑦ मध्यम काली मिट्टी - झालावाड़, बून्दी, बारां, कोटा ✓
(वर्टीसॉल्स) (हाड़ौती पठार)

https://rajasthanclasses.in/

* (8) भूरी मिट्टी → बनास का अपवाह क्षेत्र
भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, स॰माधोपुर

(9) भूरी रेतीली कछारी मिट्टी - अलवर / भरतपुर
गंगानगर / हनुमानगढ़

(10) पर्वतीय (पथरीली) मिट्टी - सिरोही, उदयपुर
राजसमंद, डुंगरपुर, चित्तौड़गढ़
अजमेर, एवं भीलवाड़ा जिलो का पर्वतीय क्षेत्र

(बालुका स्तूप)	(चोटियाँ)
⇒ बरखान बाला : शेखावाटी क्षेत्र मे ✓	गुरु से दिल जरा ऊंचा रखो।
⇒ पवनानुवर्ती (रेखीय) : जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर	गुरुशिखर - 1722, सेर - 1597
⇒ पैराबोलिक (हेयरपिन) : सम्पूर्ण मरुस्थल ✓	दिलवाड़ा - 1442, जरगा - 1431
⇒ अनुप्रस्थ - बीकानेर सम्भाग ✓	अचलगढ़ - 1380,

(नदियों की ट्रिक्स)

✓ बंगाल की खाड़ी मे जल ले जाने वाली नदियों की ट्रिक : बेबच बाग पाप का खाओ ✓
✓ अरब सागर मे जल ले जाने वाली नदियों की ट्रिक :- माल्लू साप सोजा ✓
✓ चम्बल की सहायक नदियों की ट्रिक - काकू आबा मे पाप ब
✓ बनास की सहायक नदियों की ट्रिक : खाडा मे मेट्रिक मोको सोबे।
✓ लूणी नदी की सहायक नदियों की ट्रिक : सूकलीबाड़ी खारी जो जवाई से मिलेगी
✓ साबरमती के सहायक नदियों की ट्रिक : वैसे हम माता चाहिए
✓ माही नदी की सहायक नदियों की ट्रिक :- भाई अन्ना चारपाई मोह सोजा।

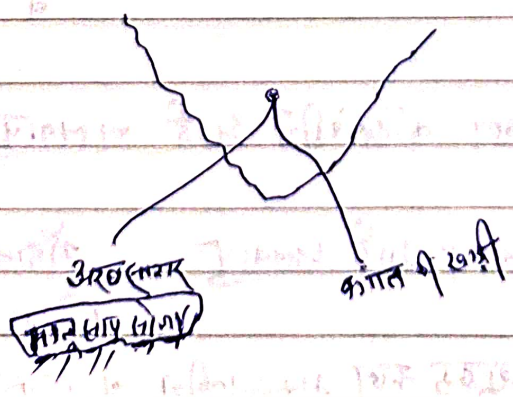

https://rajasthanclasses.in/

(राजस्थान के सन्दर्भ में)

कॉपेन की जलवायु *

Aw - बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, बारां
(उष्ण कटिबंधीय सवाना वन)

BShw - बाड़मेर, जालोर, पाली, सिरोही, नागौर, सीकर
(अर्द्ध मरुस्थलीय शुष्क) झुन्झुनू, चुरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर
(जोधपुर सम्भाग व शेखावाटी प्रदेश)

BWhw - जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़
(शुष्क उष्ण मरुस्थलीय जलवायु)

Cwg → दक्षिणी एवं पूर्वी राजस्थान (मैदानी व पहाड़ी भाग)
(समशीतोष्ण आर्द्र जलवायु)

(भारत की जलवायु) कोपेन के अनुसार

AMW - लघु शुष्क ऋतु वाला मानसून = गोवा व दक्षिणी भारत का पश्चिमी तट

AS - शुष्क ग्रीष्म ऋतु - तमिलनाडु का कोरोमंडल तट

Aw - उष्ण कटिबंधीय सवाना प्रकार - प्रायद्वीपीय भारत का अधिकांश भाग

BShw - अर्द्ध मरुस्थलीय शुष्क जलवायु - पश्चिमी राजस्थान, कर्नाटक व हरियाणा में विस्तृत, पंजाब

DFC - शीतोष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु - सिक्किम, अरुणाचल

Cwg :- समशीतोष्ण आर्द्र जलवायु - मैदानी व पहाड़ी भाग - UP, MP, AP बिहार एवं पूर्वी राजस्थान

Bwhw - शुष्क उष्ण मरुस्थलीय जलवायु - राजस्थान में जैसलमेर गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर

https://rajasthanclasses.in/